वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 247 | गुरुवार 4 जनवरी 2024 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

मोदी के कार्यक्रम में बदलाव, 5 को आएंगे जयपुर

बीजेपी ऑफिस में ले सकते हैं संगठनात्मक बैठक, DG-IG कॉन्फ्रेंस में होंगे शामिल

जयपुर. कासं

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जयपुर आने के कार्यक्रम में बदलाव हुआ है। पीएम मोदी 6 जनवरी की जगह 5 जनवरी को जयपुर आएंगे। पीएम मोदी का शाम को जयपुर आने का कार्यक्रम है। इस दौरान वे एयरपोर्ट से सीधे बीजेपी कार्यालय पहुंचेंगे, जहां वे संगठनात्मक बैठक ले सकते हैं। बैठक में प्रदेश पदाधिकारियों के साथ सभी बीजेपी विधायक भी मौजूद रहेंगे। इसके बाद पीएम राजभवन में रात्रि विश्राम करेंगे। वहीं अगले दिन 6 जनवरी को डीजी-आईजी कांफ्रेंस में भाग लेंगे। पीएम मोदी की बैठक को लेकर प्रदेश बीजेपी कार्यालय में तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

राज्यपाल ने दिए आवश्यक दिशा निर्देश

पीएम नरेन्द्र मोदी की यात्रा को देखते हुए राज्यपाल कलराज मिश्र ने बुधवार को राजभवन परिसर का अनौपचारिक जायजा लिया। उन्होंने प्रधानमंत्री की यात्रा से संबंधित सुरक्षा और आवश्यक तैयारियों के बारे में

जानकारी लेकर अधिकारियों को जरूरी निर्देश भी दिए। इस दौरान उन्होंने विभिन्न व्यवस्थाओं से संबंधित समीक्षा भी की। प्रधानमंत्री मोदी के आगमन और उनके ठहरने से संबंधित सभी कार्य समयबद्ध पूर्ण करने के निर्देश दिए। राज्यपाल ने राजभवन परिसर का भ्रमण कर प्रधानमंत्री के दौरे से संबंधित कार्यों का विशेष रूप से जायजा लेते हुए तैयारियों को प्रभावी रूप से करने के निर्देश दिए।

अमित शाह 3 दिन कॉन्फ्रेंस में शामिल होंगे: जयपुर में होने वाले डीजी-आईजी सम्मेलन में गृह मंत्री अमित शाह 3 दिन तक शामिल होंगे। वे 5 से 7 जनवरी तक जयपुर में रहकर इस सम्मेलन में हिस्सा लेंगे। पीएम मोदी और गृहमंत्री की सुरक्षा को देखते हुए एसपीजी के अधिकारी जयपुर में सुरक्षा इंतजाम पहले ही चेक कर चुके हैं। सम्मेलन में अमित शाह मुख्य अतिथि रहेंगे, जबकि राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल कार्यक्रम की अध्यक्षता कर सकते हैं। पुलिस मुख्यालय और जयपुर कमिश्नरेट पुलिस की ओर से तैयार सुरक्षा इंतजाम पर एसपीजी ने काम करना शुरू कर दिया है। बुलेटप्रूफ गाड़ियों का इंतजाम किया गया है। गृहमंत्री को तीन दिनों तक सोडाला के पास एक गेस्ट हाउस में ठहराया जाएगा। इस सेमिनार में देश के 28 राज्यों के डीजी-आईजी और 8 केन्द्र शासित प्रदेशों के आईजी शामिल होंगे। 150 से अधिक सरकारी अधिकारियों के लिए विधानसभा के पास बने विधायक क्वार्टरों में इंतजाम किया गया है। इन अधिकारियों की सुरक्षा की जिम्मेदारी जयपुर पुलिस के पास है।

बैठक में प्रदेश पदाधिकारियों के साथ सभी बीजेपी विधायक भी मौजूद रहेंगे। इसके बाद पीएम राजभवन में रात्रि विश्राम करेंगे। वहीं अगले दिन 6 जनवरी को डीजी-आईजी कांफ्रेंस में भाग लेंगे। पीएम मोदी की बैठक को लेकर प्रदेश बीजेपी कार्यालय में तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

भाजपा का जयपुर के धार्मिक स्थलों पर सफाई अभियान, 276 से अधिक स्थानों पर लगाई झाड़ू

राज्यवर्धन ने झारखंड मंदिर के बाहर की सफाई

जयपुर. कासं

भाजपा की ओर से प्रदेश में सुशासन दिवस के उपलक्ष्य में चलाए जा रहे तीन दिवसीय सघन स्वच्छता अभियान के तहत बुधवार को धार्मिक स्थलों के बाहर स्वच्छता अभियान चलाया गया। बूथ, मंडल स्तर के कार्यकर्ताओं सहित भाजपा प्रदेश पदाधिकारियों द्वारा जयपुर शहर के करीब 276 से अधिक मठ, मंदिर, गुरूद्वारों और आश्रमों सहित उनके आसपास स्वच्छता अभियान चलाया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी ने मोती डूंगरी स्थित गणेश मंदिर के बाहर झाड़ू लगाई। जोशी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा चलाया गया स्वच्छता अभियान आज जन आंदोलन बन चुका है। देश की जनता ने मोदी आह्वान को अपना अभियान बना लिया। जोशी ने कहा कई पीढ़ियों ने जो सपना देखा वह 22 जनवरी को साकार होने जा रहा है। दिव्य और भव्य मंदिर अयोध्या में

बनकर तैयार है जिसमें प्रभु श्रीराम विराजमान होंगे, इस कार्य के लिए भगवान श्रीराम ने भी नरेन्द्र मोदी जी को चुना है। इस दौरान जयपुर शहर सांसद रामचरण बोहरा, जयपुर शहर जिलाध्यक्ष राघव शर्मा, जयपुर ग्रेटर के डिप्टी मेयर पुनीत कर्नावट सहित भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं जनप्रतिनिधि उनके साथ रहे। कैबिनेट मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ झोटवाड़ा स्थित झारखंड महादेव मंदिर पहुंचे और स्वच्छता अभियान में भाग लिया।

विशाल नेत्र लैंस प्रत्यारोपण शिविर आयोजित

219 रोगियों का ऑपरेशन के लिए चयन

मनीष विद्यार्थी. शाबाश इंडिया

सागर। जैन मिलन मकरोनिया द्वारा नए वर्ष के उपलक्ष्य में विशाल निशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन लायंस क्लब सागर एवं सद्गुरु सेवा संघ ट्रस्ट के सहयोग से अंकुर कॉलोनी मकरोनिया में किया गया, जिसमें डॉ. अमित पटेल डॉक्टर डाल सिंह जादौन एवं डॉ. अमरीश भाई मुंबई द्वारा शिविर में आए हुए, 345 मरीज का निशुल्क नेत्र परीक्षण किया गया, जिसमें से 219 मरीज को मोतियाबिंद के ऑपरेशन हेतु चयनित किया गया। आज 110 मरीजों को मोतियाबिंद के ऑपरेशन हेतु सद्गुरु संकल्प नेत्र चिकित्सालय आनंदपुर भेजा गया, शेष 109 मरीजों को 17 जनवरी 2024 को भेजा जावेगा। शिविर प्रभारी श्री गुलजारीलाल जैन, वीर सुरेश जैन अध्यक्ष जैन मिलन एवं लायन सुनील सागर अध्यक्ष लायंस क्लब सागर ने बतलाया कि पिछले माह किए गए निशुल्क ऑपरेशन वालों को निशुल्क 270 चश्मो का वितरण किये गये, साथ ही उपस्थित मरीजों का शुगर एवं ब्लड प्रेशर परीक्षण किया गया। इस अवसर पर जैन मिलन के क्षेत्रीय अध्यक्ष अरुण चंदेरिया क्षेत्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय शक्कर मार्गदर्शक इंजी. आलोक जैन शाखा मंत्री रविंद्र जैन ,वीर राजेश जैन कोषाध्यक्ष प्रचार मंत्री वीर निशिकांत सिंघई क्षेत्रीय मीडिया प्रभारी वीर मनीष विद्यार्थी, कार्यकारी अध्यक्ष वीर अजीत जैन बैंक एवं वीर अजीत जैन शिक्षक, वीर सुनील जैन , वीर प्रसून जैन वीर नीरज जैन वीर संजय दिवाकर ,राजीव भार्गव एवं अंकुर विद्यालय का समस्त स्टाफ एवं प्राचार्य रंजन तिवारी विशेष रूप से उपस्थित थी। कार्यक्रम के अंत में सभी को वात्सल्य भोज कराया गया एवं वीर सुरेश जैन अध्यक्ष द्वारा सभी का आभार व्यक्त किया गया।

चौधरी देवीलाल ग्रामीण कोस्को क्रिकेट प्रतियोगिता का हुआ आगाज

कहा, नशे से दूर रखने में मील का पत्थर साबिता होगी प्रतियोगिता

एलनाबाद. शाबाश इंडिया। जिले के गांव रिसालियाखेड़ा में बुधवार को जननायक चौधरी देवीलाल ग्रामीण कोस्को क्रिकेट प्रतियोगिता का हुआ आगाज हुआ जिसका शुभारंभ जेजेपी के प्रदेश प्रधान महासचिव दिग्विजय सिंह चौटाला व बाढड़ा की विधायक नैना चौटाला ने संयुक्त रूप से किया। प्रतियोगिता के उद्घाटन अवसर पर जेजेपी नेता दिग्विजय सिंह चौटाला ने कहा कि यह प्रतियोगिता देश की सबसे बड़ी ग्रामीण आंचल की प्रतियोगिता है जिसका मुख्य उद्देश्य युवाओं को नशे से दूर रखना है। उन्होंने कहा कि इस प्रतियोगिता के माध्यम से जहां युवाओं को अपनी प्रतिभा दशार्ने का अवसर मिलेगा वहीं बड़े पुरस्कारों से उनका मनोबल भी बढ़ेगा। उन्होंने अपनी ओर से प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी खिलाड़ियों को अपनी ओर से शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वे अनुशासन में खेलते हुए इस प्रतियोगिता के लिए निर्धारित तमाम नियमों की पालना करें। वहीं बाढड़ा की विधायक नैना चौटाला ने खिलाड़ियों को खेलो और आगे बढ़ो का मंत्र देते हुए कहा कि खेलों के माध्यम से ही युवा राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपना व अपने राष्ट्र का नाम चमका सकते हैं। उन्होंने कहा कि युवाओं की प्रतिभा को तराशने के उद्देश्य से ही जेजेपी ने ग्रामीण युवाओं के लिए ये बड़ा मंच प्रदान किया है। उल्लेखनीय है कि इस प्रतियोगिता में जिले के विभिन्न गांवों व वार्डों की करीब 208 टीमें भाग ले रही हैं। प्रतियोगिता के उद्घाटन अवसर पर छोटे छोटे बच्चों ने हरियाणवीं सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी जिसे उपस्थितजनों ने सराहा। इस अवसर पर जेजेपी के जिलाध्यक्ष अशोक वर्मा, पूर्व मंत्री भागीराम, जेजेपी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी के राष्ट्रीय महासचिव डॉ. राधेश्याम शर्मा, पूर्व विधायक कृष्ण कंबोज, जेजेपी जिला कार्यालय प्रभारी हरिसिंह भारी, जेजेपी अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक सर्वजीत सिंह मसीतां, युवा जिलाध्यक्ष रणदीप सिंह मटदादू, अजब ओला, जेजेपी महिला जिला संयोजक शारदा सिहाग, जिला प्रेस प्रवक्ता अमर सिंह ज्याणी, जिला के पांचों हलकाध्यक्ष नरेंद्र सिंह बराड़, अनिल कासनियां, सुधीर कूकना, भीम सहारण, प्रगट सिंह भीमा व कुलदीप करीवाला, पूर्व रानियां हल्का अध्यक्ष नैन, युवा प्रेस प्रवक्ता नितिन टांडी, अकबर खान, अंजनी लड्ढा, पूजा मेहला सहित अनेक ग्रामीण मौजूद थे। काबिलेजिक्र है कि आगामी 15 जनवरी को इस प्रतियोगिता का समापन गांव चौटाला में होगा जिसमें अनेक प्रतिष्ठित पंजाबी कलाकारों के अलावा भारतीय क्रिकेट टीम के सदस्य रहे विरेंद्र सहवाग व युवराज सिंह आदि शामिल होंगे।

जम्बूस्वामी तपोस्थली बोलखेड़ा पर हुए एक पंथ तीन काज

द्वय नवीन मुनि जेनेश्वरी दीक्षा व उपाध्याय पद के आचार्य वसुनंदी ने दिए संस्कार

कामा. शाबाश इंडिया। पद के प्रति आसक्ति नही विरक्ति रखते हुए मोक्ष मार्ग की ओर अग्रसर होना चाहिए, निर्लोभता के साथ पद ग्रहण करते हुए कर्तव्य का निर्वाह करना और सुयोग्य शिष्य को पदभार देकर समाधि को प्राप्त करना ही एक श्रमण का कर्तव्य होना चाहिए उक्त उदगार जम्बूस्वामी तपोस्थली बोलखेड़ा पर आयोजित बृहद समारोह में आचार्य वसुनंदी महाराज ने व्यक्त किये। तपोस्थली के प्रचार प्रभारी संजय जैन बड़जात्या के अनुसार तपोस्थली पर आयोजित आचार्य पदारोहण व उपाध्याय पद संस्कार व द्वय मुनि दीक्षा समारोह का एक पंथ तीन काज का आयोजन हुआ।आयोजन समिति के रमेशचंद्र गर्ग,अरुण जैन बंटी, किशोर जैन डीग द्वारा अथितियों का अभिनंदन किया तो मुनि प्रज्ञानंद,मुनि शिवानंद, मुनि प्रशमानंद, मुनि पवित्रानंद महाराज ने आचार्य के प्रति विनियांजली देते हुए कहा कि आचार्य वसुनंदी महाराज का शिष्यों और भक्तों के प्रति अनुपम वात्सल्य है। **द्वय दिगम्बर मुनि दीक्षा की प्रदान:** श्रावकों से खचाखच भरे सभागार में आचार्य वसुनंदी महाराज ने द्वय मुनियों को दीक्षा प्रदान करते हुए ऐलक विवेकानंद महाराज को मुनि ध्रुवानंद महाराज, क्षुल्लक भरत सागर को धैर्यानन्द महाराज नाम प्रदान किया। भरी ठंड में मुनियों के दिगंबर होते ही उपस्थित समुदाय ने वैराग्य की अनुमोदना करते हुए आश्चर्य व्यक्त किया। **द्वय उपाध्याय पद के दिये संस्कार:** कार्यक्रम के तीसरे चरण में मुनि ज्ञानानंद महाराज व मुनि जिनानंद महाराज को चतुर्थ परमेष्ठी उपाध्याय के संस्कार आचार्य ने प्रदान किये तो नवीन नामकरण भी किया गया। मुनि ज्ञानानंद का उपाध्याय वृषभानद महवराज एवं मुनि जिनानंद महाराज को उपाध्याय विज्ञानंद महाराज नाम प्रदान किया गया। कार्यक्रम में दूर दराज से बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे तो संपूर्ण सभागार जैन धर्म के जयकारों से गुंजायमान हो गया।

श्रमण संस्कृति संस्थान में बालिकाओं को गर्म वस्त्र वितरित किये

जयपुर. शाबाश इंडिया। नववर्ष के अवसर पर समाज सेवी महावीर उमा रांका ने सांगानेर स्थित श्रमण संस्कृति संस्थान के छात्राश्रमण संस्कृति संस्थान केवास में अध्यनरत बालिकाओं को गर्म कपड़ों का वितरण किया। साथ ही बालिकाओं के पोषाहार की व्यस्था बापू नगर के उपाध्याय ग्रुप की ओर से की गई। श्री मुनिसुव्रतनाथ फाउंडेशन का संकल्प वर्ष 2024 ''गुड़ियारानी'' मुहिम के अंतर्गत बालिकाओं की शिक्षा, पोषाहार, वस्त्र, स्टेशनरी, छात्रवृत्ति योजना इत्यादि पर विशेष रूप से केंद्रित रहेगा। गौरतलब है कि श्रमण संस्कृती संस्थान के अंतर्गत वर्तमान समय में 150 से अधिक छात्राओं के निशुल्क शिक्षा एवं छात्रावास की व्यवस्था उपलब्ध है। इस दौरान जिनेश जैन, निर्मला संघी, लब्धी जैन, शकुन जैन, अलका जैन, रंजू बाकलीवाल, अंजना शाह, संगीता रारा, चित्रा डांडिया, सीमा पाटनी, अंजू लुहाड़िया, अनीता जैन, माला जैन, रेणु जैन, आशा सेठी, अभिषेक सांघी मौजूद रहे।

10 दिवसीय ''तीर्थराज श्री सम्मेद शिखर जी'' धार्मिक यात्रा सम्पन्न

कुल 317 तीर्थयात्रियों की निर्विघ्न संपन्न हुई यात्रा

वी के पाटोदी. शाबाश इंडिया

सीकर। धर्मनगरी सीकर के अहिंसामयी दिगम्बर जैन समाज से जुड़ी सामाजिक संस्था 'जय जिनेन्द्र ग्रुप' सीकर के तत्वाधान में आयोजित शाश्वत तीर्थराज श्री सम्मेद शिखर जी की 317 तीर्थयात्रियों की दस दिवसीय धार्मिक यात्रा बुधवार को रात्रि में निर्विघ्न संपन्न हुई । मध्य रात्रि यात्रा के सीकर पहुंचने पर सीकर जैन समाज के गणमान्य जनों द्वारा सभी तीर्थ यात्रियों का अभिनंदन किया गया । जानकारी देते हुए मोनू सारिका छाबड़ा ने बताया की 24 दिसम्बर को सीकर से शुरू हुई इस पावन तीर्थ यात्रा में बच्चे, बूढ़े, स्त्री, पुरुषों सहित 317 जन शामिल हुए । इस यात्रा में शामिल सभी जनों ने जैन धर्म के पवित्र तीर्थ स्थान राजगीरी जी, भगवान महावीर की जनस्थली कुंडलपुर जी, चौबीसवें तीर्थंकर महावीर स्वामी की निर्वाण स्थली पावापुरी जी, बारहवें तीर्थंकर भगवान वासुपुज्य जी के पांचों कल्याणक की पावन भूमि चम्पापुर जी, मंदारगिरी जी, एवं जैन धर्म के बीस तीर्थंकरों एवं करोड़ों मुनियों की मोक्ष स्थली शाश्वत तीर्थराज श्री सम्मेद शिखर जी की महावंदना निर्विघ्न सम्पन्न की । संस्था के अध्यक्ष पुनीत श्वेता छाबड़ा, सचिव अजय छाबड़ा, मुकेश पूजा पाटनी, रोहित नेहा मोदी ने बताया कि इस दौरान सभी को मुनि प्रमाण सागर जी एवं आर्यिका रत्न विभाश्री माताजी ससंघ का सानिध्य प्राप्त हुआ । मीडिया प्रभारी विवेक पाटोदी ने बताया कि श्री सम्मेद शिखर जी में विभाश्री माताजी ने सभी को अपना आशीर्वाद देते हुए जिनेन्द्र दर्शन एवं यात्रा के महत्व पर विशेष प्रवचन दिए । इस दौरान सभी की तीर्थ यात्रा निर्विघ्न सम्पन्न होने पर सम्मान किया गया । यात्रा में नवीन शानू कासलीवाल, हरीश कल्पना बड़जात्या, अमित आशा बड़जात्या किशनगढ़, मुकेश संगीता जैन, महावीर सुलोचना गंगवाल, सहित सीकर, दांता, सुरेरा, कुचामन, किशनगढ़, जयपुर, रानोली सहित अनेकों जगह से तीर्थयात्री शामिल हुए ।

वेद ज्ञान

दुख जीवन का शाश्वत सत्य

दुख को जीवन का शाश्वत सत्य बताया गया है। सवाल यह है कि दुख का निवारण कैसे हो? इसकी खोज में अनंत काल से मनीषियों ने अपना जीवन अर्पित किया और उन्होंने यह निष्कर्ष निकाला था कि दुख का कारण है और इसका निवारण भी है। दुख के कई कारण हैं। सबसे बड़ा कारण है चाह, इच्छा या कामना। चाह का न होना और अनचाहे का हो जाना दुख का मूल कारण है। हम जन्म से ही कुछ न कुछ चाहते हैं और चाह की पूर्ति न होने पर हम दुखी होते हैं। दुख का दूसरा कारण है, हमारा शरीर जो रोगधर्मा है। शरीर के धारण करते ही रोग व पीड़ा का जन्म हो जाता है। कई बच्चे तो जन्मते ही रोग के शिकार हो जाते हैं। कई रोगों पर तो नियंत्रण हो चुका है, परंतु अभी अनेक रोग लाइलाज हैं। वृद्धावस्था में कुछ ज्यादा ही रोग उत्पन्न होते हैं। रोग से उत्पन्न पीड़ा व रोग के उपचार के खर्च से रोगी और परिजन दोनों दुखी रहते हैं। चाह का बदला रूप है आकांक्षा। हम जीवन में ऊंचा पद, यश और कीर्ति चाहते हैं। आकांक्षा, प्रगति या विकास की जननी है, परंतु दुख का मूल भी है। आकांक्षा अपने आप में बुरी नहीं है, परंतु जब यह ममत्व व संग्रह की प्रवृत्ति से जुड़ जाती है तो यह न केवल स्वयं के लिए दुख का कारण बनती है, बल्कि पूरे समाज में विग्रह और विषमता का कारण भी बनती है।आकांक्षा जन्म देती है अहं और लोभ को। अहं से पैदा होता है क्रोध और संघर्ष। संघर्ष जब हिंसात्मक हो जाता है तब मूक वर्ग (जिसमें निर्धन वर्ग भी शामिल है) हिंसा के शिकार बनते हैं, भोग-उपभोग के साधन बनते हैं, शासित व दमित होते हैं। जब तक आकांक्षा और संग्रहवृत्ति बनी है, शोषण का यह चक्रव्यूह बरकरार रहेगा। शोषण की अर्थव्यवस्था में उत्पादन के साधन जैसे भूमि, जंगल, जानवर, खदान, उपकरण, पूंजी आदि पर कुछ लोग कब्जा कर शासक या मालिक बन जाते हैं और शेष लोग मजदूर या काम करने वाले। जिनका साधनों पर कब्जा है, उन्हें रोटी, कपड़ा, मकान की चिंता नहीं है, परंतु मजदूर और साधनहीन को तो सुबह होते ही मजदूरी पर जाना है, नहीं तो शाम का चूल्हा ही नहीं जलेगा। साधनों की प्रचुरता के बावजूद अनेक लोग सुखी महसूस न करने पर आनंद की खोज में अन्यत्र भटकते हैं।

संपादकीय

अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) की नई उड़ान

पिछले साल के आखिरी दिन जब लोग नए साल के स्वागत की तैयारी कर रहे थे, कहीं नए साल की बधाइयां दी जा रही थीं और कहीं जश्न मनाए जा रहे थे। ठीक उसी समय आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा में उलटी गिनती शुरू हो चुकी थी, और नए साल की नई सुबह 9.10 बजे जब यह उलटी गिनती खत्म हुई, तो भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन यानी इसरो ने 44.4 मीटर लंबा एक भारी-भरकम रॉकेट आसमान की ओर दागा। कुछ ही देर के अंदर धरती से 650 किलोमीटर दूर की कक्षा में एक्सपोसैट नाम का एक उपग्रह स्थापित हो चुका था। साल 2024 की शुरूआत के लिए इससे अच्छी कोई और खबर नहीं हो सकती थी। उपग्रह को लांच करना और उसे किसी कक्षा में स्थापित कर देना इसरो के लिए कोई नई बात नहीं है, पर एक्सपोसैट जिस तरह का उपग्रह है, उसे इसरो की सिर्फ एक और उपलब्धि कह देने भर से ही बात खत्म नहीं होती। वैज्ञानिक अध्ययन के लिए लॉन्च किया गया यह उपग्रह

खगोलशास्त्र में भारत की महारत और उसकी महत्वाकांक्षा, दोनों को ही बताता है। इसे हम इससे भी समझ सकते हैं कि ऐसा उपग्रह अभी तक सिर्फअमेरिका के पास है। हम जब भारतीय अंतरिक्ष सगंठनों के उपग्रहों की चर्चा करते हैं, तो आमतौर पर ऐसे उपग्रहों का नाम लिया जाता है, जिनकी कोई सीधी उपयोगिता है। मसलन, वे उपग्रह, जो टेलीविजन प्रसारण के लिए थे, या वे उपग्रह, जो जीपीएस सेवा देते हैं, या वे उपग्रह, जो मौसम के अध्ययन और पूवार्नुमान के लिए लॉन्च किए जाते हैं, या फिर वे उपग्रह, जो सीमाओं की निगरानी करते हैं, शहरों-कस्बों-गांवों, खेतों, फसलों और नदियों-नहरों का हाल बताते हैं। लेकिन एक्सपोसैट इन सबसे जरा अलग किस्म का उपग्रह है। इसे शुद्ध रूप से वैज्ञानिक शोध के लिए तैयार किया गया है। इसका सीधा लाभ खगोलशा्त्रियों और खगोल-भौतिकविज्ञानियों को मिलेगा। इस उपग्रह में लगा एक्सरेपोलरीमीटर अंतरिक्ष में मौजूद एक्सरे किरणों का आकलन करके उनके स्रोत का पता लगाएगा। इससे खासकर ब्लैक होल के अध्ययन में मदद मिलेगी। इसके जारिये हम ब्रह्मांड की उत्पत्ति और धरती के लिए अंतरिक्ष में मंडराते खतरों के बारे में ज्यादा अच्छी समझ बना सकेंगे। यह उपग्रह दरअसल उस सिलसिले की अगली कड़ी है, जो 1996 में शुरू हुआ था। इसे भारतीय एक्सरे एस्ट्रोनॉमी प्रयोग कहा गया था। इसी कड़ी में साल 2004 में एस्ट्रोसैट नाम का उपग्रह लॉन्च करने की योजना बनी थी। यह उपग्रह 2015 में लॉन्च किया गया था। अंतरिक्ष के अध्ययन के लिए तैयार किया गया यह भारत का पहला उपग्रह था। एक्सपोसैट इसी की अगली कड़ी है, जो एक बड़ी छलांग तो है ही, साथ ही, यह भारत के उपग्रह कार्यक्रम की निरंतरता का भी प्रतीक है। यहां इस बात का जिक्र भी जरूरी है कि भारत ने एस्ट्रोसैट का उपयोग किस तरह से किया। एकाधिकार की सोच से परे हटकर इससे मिले डाटा को पूरी दुनिया के वैज्ञानिकों के साथ साझा किया गया, ताकि सभी उनका अपने तरह से विश्लेषण कर सकें। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

सीखें इसरो से

इससे सुखद और कुछ नहीं कि नए वर्ष का शुभारंभ भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन यानी इसरो की एक और उपलब्धि से हुआ। इसरो ने ब्लैक होल्स समेत अंतरिक्ष के अन्य रहस्यों के अध्ययन के लिए एक्सपो उपग्रह सफलतापूर्वक लांच करने में सफलता हासिल की। यह अपनी तरह का पहला उपग्रह है। इसरो की सफलताएं भारत को गौरवान्वित करने वाली हैं। बीते वर्ष इसरो ने अपने चंद्र अभियान के तीसरे चरण के तहत चंद्रयान को चंद्रमा के दक्षिणी छोर पहुंचाने में जो सफलता प्राप्त की, वह एक तरह से अंतरिक्ष में हमारी विश्व विजय थी, क्योंकि भारत इस स्थल पर अपने यान को सफलतापूर्वक ले जाने वाला पहला देश था। इसने पूरे विश्व को चमत्कृत किया था। इसरो शीघ्र ही एक और इतिहास रचने के निकट है, क्योंकि सूर्य का अध्ययन करने के लिए भेजा गया अंतरिक्ष यान आदित्य एल-1 इसी सप्ताह गंतव्य तक पहुंच जाएगा। इसरो प्रमुख ने हाल में अन्य आगामी अभियानों के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि यह वर्ष जहां गगनयान अभियान की तैयारियों का होगा, वहीं 50 से अधिक अंतरिक्ष अभियानों को शुरू करने का भी। इसरो ने अपनी उत्कृष्टता से विश्व में अपनी छाप छोड़ने के साथ देश को प्रतिष्ठा भी प्रदान की है। इसरो की क्षमता का लोहा पूरी दुनिया मान रही है। यह सही समय है कि विज्ञान, तकनीक और शोध से जुड़े हमारे अन्य संस्थान भी इसरो जैसी क्षमता हासिल करने के लिए संकल्पित हों। इस क्रम में वे यह भी ध्यान रखें कि इसरो ने स्वयं के बलबूते महारत हासिल की है। इसरो सरीखी महारत अन्य संस्थाओं और विशेष रूप से रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन जैसे उन संस्थानों को प्राथमिकता के आधार पर हासिल करनी चाहिए, जिन पर उन्नत आयुध सामग्री बनाने की जिम्मेदारी है। यह सही है कि हिंदुस्तान एयरोनाटिक्स लिमिटेड ने तेजस के रूप में हल्का लड़ाकू विमान बनाने में सफलता प्राप्त की है और कई देशों ने उसे खरीदने में दिलचस्पी भी दिखाई है, लेकिन इस विमान के कई उपकरण आयात करने पड़ रहे हैं। एक तथ्य यह भी है कि रक्षा सामग्री के निर्यात में वृद्धि होने के बाद भी भारत को बड़े पैमाने पर युद्धक उपकरणों का आयात करना पड़ता है। युद्धक सामग्री के मामले में भारत को जितनी जल्दी संभव हो, आत्मनिर्भर बनना होगा। आत्मनिर्भर और उत्कृष्ट बनने की चुनौती केवल विज्ञान एवं तकनीक से जुड़े संस्थानों के समक्ष ही नहीं है। इस चुनौती को उन सभी संस्थाओं को स्वीकार करना होगा, जो नागरिक जीवन को सुगम और सक्षम बनाने के लिए कार्य करती हैं। सरकारी संस्थानों के साथ निजी क्षेत्र की संस्थाओं और उद्योग जगत को भी इसरो से सीख लेते हुए यह चुनौती स्वीकार करनी होगी, क्योंकि इससे ही उनके उत्पादों और उनकी ओर से प्रदान की जाने वाली सेवाएं विश्वस्तरीय बन सकती हैं। जब ऐसा होगा, तभी विश्व में उनकी धाक जमेगी और देश तेजी के साथ आगे बढ़ेगा।

अयोध्या मंदिर के भव्य उद्घाटन को ध्यान में रखते हुए शेमारू टीवी पर, इस 1 जनवरी 2024 से होगा रामानंद सागर की 'रामायण' का प्रसारण

जयपुर. शाबाश इंडिया

आगामी 22 जनवरी 2024 को अयोध्या के भव्य राम मंदिर में रामलला के प्राण प्रतिष्ठा की तैयारियां जोरों-शोरों पर हैं। इस उत्साह को बढ़ाते हुए शेमारू टीवी ने नए साल के मौके पर 'अब हर घर होगा अयोध्या, हर घर में प्रकट होंगे राम' के नारे के साथ 1 जनवरी, 2024 से शाम 7 बजे हिंदुस्तान की सबसे बड़ी धार्मिक गाथा रामानंद सागर की 'रामायण' का प्रसारण करने का फैसला किया है। चैनल ने प्रभु श्री राम के अपने अद्भुत मंदिर में विराजमान होने की गूंज को हर घर तक पहुंचाने का प्रण लिया है, जिससे प्रभु राम की लीलाओं के दर्शन हर एक भक्त को हो सकें। इस ऐतिहासिक पौराणिक धारावाहिक में राम, लक्ष्मण और सीता की महत्वपूर्ण भूमिकाओं में अरुण गोविल, सुनील लहरी और दीपिका चिखलिया को देखा गया है जो भारतीय टेलीविजन के सबसे प्रतिष्ठित शो में से एक है। खास बात यह है कि दर्शक इन कलाकारों के बेहतरीन प्रदर्शन को प्रत्यक्ष टीवी पर देख पाएंगे, उस दौर में इनके प्रदर्शन का भाव इतना सरल था कि दर्शक इन किरदारों को भगवान का रूप मानकर इनकी आरती किया करते थे। साथ ही स्वर्गीय दारा सिंह ने इसमें हनुमान का किरदार निभाया था और अरविंद त्रिवेदी को रावण के रूप में चित्रित किया गया था। इस धारावाहिक को दर्शकों द्वारा खूब प्यार और सराहनाएं मिली थीं, ऐसे में अयोध्या में राम मंदिर बनने के साथ भक्तों को एक बार फिर भक्तिमय करने के लिए यह धारावाहिक शेमारू टीवी पर प्रस्तुत किया जा रहा है। शेमारू टीवी पर पुनः प्रसारित होने वाले शो के बारे में अपना उत्साह साझा करते हुए, शो के निर्माता और मार्केटिंग प्रमुख और राम भक्त रामानंद सागर के बेटे प्रेम सागर ने कहा, ''मुझे खुशी है कि शेमारू टीवी पर 'रामायण' का प्रसारण होगा। अयोध्या मंदिर के उत्साह के साथ हम जुड़ रहे हैं। मुझे यह देखकर खुशी हो रही है कि इतने वर्षों के बाद भी, मेरे पूज्य और आदरणीय पिता डॉ. रामानंद सागर द्वारा बनाई गई मूल 'रामायण' को इतना प्यार और आशीर्वाद मिल रहा है। मैं श्री राम के मयार्दा पुरुषोत्तम मूल्यों को प्रस्तुत करने के लिए शेमारू टीवी को बधाई देता हूं, जो आज के युग में अधिक प्रासंगिक हैं और इंटरनेट और मोबाइल पीढ़ी के लिए आवश्यक हैं। जन जन में राम, हर घर में राम, जय श्री राम।'' प्रभु श्री राम के भक्तों और इन कलाकारों के अभिनय को दिल से चाहने वाले फैन्स के लिए इससे ज्यादा खुशी की बात और क्या हो सकती है। हम शेमारू टीवी द्वारा दर्शकों के मनोरंजन के लिए किए गए प्रयासों की सराहना करते हैं। देखिए हिंदुस्तान कि सबसे बड़ी धार्मिक गाथा रामानंद सागर की 'रामायण' का प्रसारण इस 1 जनवरी, 2024 से शाम 7. 00 बजे सिर्फ शेमारू टीवी पर।

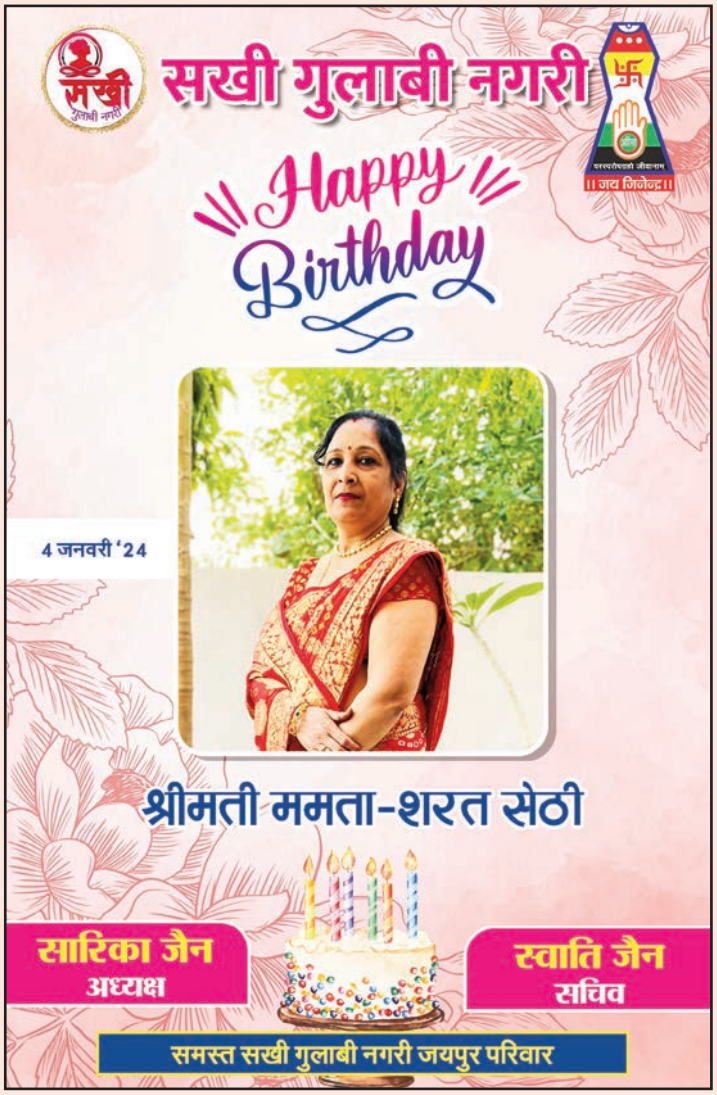

मुनियों और त्यागियो के दर्शन आसानी से नहीं मिलते : मुनिश्री प्रयोग सागर जी

सनावद. शाबाश इंडिया

तीन सिद्धक्षेत्रों के बीच सनावद के होने से आप सभी को संतों के दर्शन और संत समागम आसानी से मिल जाते हैं। अतः संत समागम का ज्यादा से ज्यादा लाभ लें। मुनियों और त्यागियो के दर्शन आसानी से नहीं मिलते। वे कर पात्री, पदयात्री तथा जिस तरफ जाने की गुरु आज्ञा होती है वहां विहार करते हैं। संसार में राग और द्वेष अज्ञानता के कारण मिलते हैं। संतो के प्रति राग प्रशस्त राग होता है जो भक्ति का प्रतीक है। उपरोक्त विचार पूज्य मुनि श्री प्रयोग सागर जी महाराज ने बुधवार को आचार्य वर्धमान सागर देशना निलय में धर्म सभा के दौरान व्यक्त किये। संसार को जीवन का खेल बताते हुए पूज्य मुनि श्री प्रबोध सागर जी महाराज ने बताया कि इंद्रियों के भोग और मन आत्मा के निकट व्यक्ति को नहीं आने देते, क्योंकि जिस चीज को हम महत्व देते हैं वह कार्य पूरा हो जाता है। अतः आत्मा को राग द्वेष तथा विकारों से बचाने के लिए कार्य करें। समतल भूमि और चंदन के वृक्ष का उदाहरण देते हुए आपने बताया कि बहुमूल्य चंदन के वृक्ष को काटकर अज्ञानी भूमि को समतल कर देता है इसी तरह अज्ञानता के कारण व्यक्ति राग द्वेष करता है। इंदौर से पग विहार कर पावन सिद्धक्षेत्र सिद्धवरकूट की यात्रा के बाद सनावद पहुंची आर्यिकारत्न विज्ञानमति माताजी ने धर्म करने के लिए विवेकी बनने की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि विवेक न होने से जीव हिंसा होती है। जीवों की रक्षा के बिना धर्म नहीं होता। विवेक हमारा आचरण बताता है। हमें प्रतिदिन आटा छानकर रोटी बनाना चाहिए कोई भी वस्तु शोधन करके खिलाना चाहिए। निर्ग्रन्थ जिनलिङ्ग तथा मुनि दर्शन को दुर्लभ बताते हुए आपने बताया कि इन दोनों के दर्शन एवं भक्ति करके पापों का क्षय करें। उपरोक्त जानकारी देते हुए डॉ. नरेन्द्र जैन भारती ने बताया कि आचार्य कल्प विवेक सागर जी महाराज द्वारा दीक्षित संत शिरोमणि आचार्य विद्यासागर जी महाराज की आज्ञानुवर्तिनी शिष्या पूज्य आर्यिकारत्न विज्ञान मति माताजी एवं 10 अन्य आर्यिका माताओं के आगमन पर श्रद्धालुओं ने रेलवे फाटक पहुंचकर गाजे बाजे के साथ संघ की अगवानी की। संघस्थ साध्वियों ने जैन मंदिरों में भगवान के दर्शन उपरांत संत निलय में विराजमान मुनि श्री प्रयोग सागर जी महाराज एवं मुनि श्री प्रबोध सागर जी के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। समाज जनों ने श्रीफल समर्पित कर आर्यिका संघ को धर्म प्रभावनार्थ नगर में रुकने हेतु निवेदन किया। प्रवचन से पूर्व सतीश जैन सागर एवं योगेश भैया इंदौर ने दीप प्रज्वलन किया। प्रदीप पंचोलिया ने मंगलाचरण किया। आहारचर्या को देखने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालुजन उपस्थित थे। निमिष जैन ने बताया कि मुनि संघ के सानिध्य में गुरुवार को आदिनाथ जिनालय में भक्तामर मंडल विधान के बाद प्रवचन होंगे। इस हेतु आशीष झाझरी ने मुनिद्वय को श्रीफल समर्पित कर निवेदन किया।

गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी ने कहा...

जैन धर्म का मूल अहिंसा

गुंसी, निवाई. शाबाश इंडिया। श्री दिगम्बर जैन सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ , गुंसी (राज.) में विराजमान वात्सल्य सरिता गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी के ससंघ सान्निध्य में आज की शांतिधारा करने का सौभाग्य मुन्नालाल जी अमित जैन गौरझामर एवं आशीष जी अर्हम जैन जयपुर वालों ने प्राप्त किया। प्रवचन सभा में उपस्थित श्रद्धालुओं को धर्मोपदेश देते हुए कहा कि - सभी प्राणी मात्र पर दया, करुणा, मैत्रीभाव रखना यह जैन धर्म का मूल सिद्धांत है। इसी भावना से निःस्वार्थ वृत्ति , परोपकार, वात्सल्य वृत्ति का जन्म होता है । ये गुण मनुष्य के लिए पूज्य बनाते हैं। सन्त महात्मा बनाते हैं । सभी धर्मों में अहिंसा और दया को ही धर्म का मूल बताया गया है। मन में किसी का अहित न सोचना, किसी को कटुवाणी आदि के द्वार भी नुकसान न देना तथा कर्म से भी किसी भी अवस्था में, किसी भी प्राणी कि हिंसा न करना, यह अहिंसा है। जैन धर्म में अहिंसा का बहुत महत्त्व है। जैन धर्म के मूलमंत्र में ही अहिंसा परमो धर्मः (अहिंसा परम (सबसे बड़ा) धर्म कहा गया है। आधुनिक काल में महात्मा गांधी ने भारत की आजादी के लिये जो आन्दोलन चलाया वह काफी सीमा तक अहिंसात्मक था।

दो दिवसीय वार्षिक मेला 6 व 7 तारीख को

निकलेगी श्री जी की विशाल रथ यात्रा, रजत कलश से होगा श्री जी का अभिषेक

निमोला, टोंक. शाबाश इंडिया। अतिशय क्षेत्र निमोला में आगामी 6 व 7 तारीख को दो दिवसीय वार्षिक मेले का आयोजन एवं भगवान पार्श्वनाथ का 2900 वाँ जन्म जयंती एवं तप कल्याणक महोत्सव एवं वार्षिक कलशाभिषेक समारोह मनाया जाएगा। राजेश अरिहंत ने बताया कि 6 तारीख को प्रातःश्री जी का अभिषेक, शांतिधारा एवं शांति मंडल विधान की पूजा होगी विधान के पुण्यार्जक श्रीमती चंद्रकला देवी राजकुमार मनोज कुमार कुशाल कुमार काव्य कुमार जैन सोनी परिवार होंगे। इस अवसर पर एक विशाल पदयात्रा पांच मंदिर पुरानी टोंक से प्रातः 10:00 बजे रवाना होगी जो कचोलिया सोनवा अरनिया माल होते हुए निमोला पहुंचेगी। सांय काल भगवान पार्श्वनाथ की महाआरती सांस्कृतिक कार्यक्रम भक्तामर पाठ एवं दुर्गेश एंड पार्टी द्वारा भजन संध्या का आयोजन होगा। प्रबंध समिति के संरक्षक रमेश काला ने बताया कि 7 तारीख को प्रातः 6:30 बजे श्रीजी का अभिषेक तत्पश्चात वृहद शांति धारा दोपहर में झंडारोहण चित्र अनावरण एवं अखंड दीप प्रज्वलन के पश्चात श्री जी को रथ में विराजमान कर श्री जी की विशाल रथयात्रा नगर भ्रमण करती हुई मुख्य बाजार होते हुए मेला प्रांगण में पहुंचेगी जहां पर श्री जी का रजत कलशो से कलशाभिषेक किया जाएगा समिति के अध्यक्ष कपूर चंद पाटौदी मंत्री बाबूलाल जैन ने बताया कि कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सरोज नरेश बंसल जिला प्रमुख टोंक अध्यक्षता हुकुमचंद प्रेम देवी जैन विशिष्ट अतिथि मिश्रीमल भगवती जैन बोहरा पीसी छाबड़ा तिलकमति छाबड़ा महावीर प्रसाद प्रेम देवी गोयल चित्र अनावरणकर्ता लालचंद सुशीला देवी सोगानी झंडारोहण कर्ता महावीर प्रसाद सुशीला देवी सुराशाही दीप प्रज्वलन धर्मचंद मंजू देवी जैन द्वारा किया जाएगा कार्यक्रम में टोंक देवली उनियारा निवाई मेहंदवास छान दुनी भरनी मालपुरा टोडा जयपुर दिल्ली मुंबई कोलकाता आदि स्थानो से श्रद्धालु पधारेंगे।

राजमल सुराना स्मृति समारोह 4 जनवरी से

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्रुति मंडल एवं कला साहित्य एवं संस्कृति विभाग द्वारा 4 व 5 जनवरी को महाराणा प्रताप सभागार में सायं 7:00 बजे 46 वा राजमल सुराना स्मृति समारोह आयोजित किया जाएगा। श्रुति मंडल के अध्यक्ष चंद्र सुराणा ने बताया कि 4 जनवरी को राजमल सुराना स्मृति समारोह के अंतर्गत सुप्रसिद्ध अधिकार वादक उ. शुजात हुसैन खान का सितार वादन होगा, इनके साथ तबले पर शरीक मुस्तफा और जुहेब अहमद खा संगत करेंगे। मंडल के उपाध्यक्ष प्राचीर सुराणा ने बताया कि 5 जनवरी को पद्मश्री प्रकाश चंद्र सुराना की स्मृति में जयतीर्थ मेऊडी का शास्त्री गायन होगा। इनके के साथ तबले पर पांडू रंग पवार, पखावज पर सुखद मुंडे, साइडरिदम पर सूर्यकांत सुर्वे और हारमोनियम पर सिद्धेश बिचोलकर संगत करेंगे।

राष्ट्रीय कवि संगम इकाई मुंगेली के तत्वावधान में भव्य काव्य गोष्ठी व सम्मान समारोह की गई आयोजित

जयपुर. शाबाश इंडिया। राष्ट्रीय कवि संगम इकाई मुंगेली, छत्तीसगढ़ के द्वारा दिनांक 31 दिसंबर 2023 को ऑनलाइन भव्य काव्य गोष्ठी व सम्मान समारोह आयोजित की गई। सर्वप्रथम सरस्वती वंदना विभा नविशा सोनी मुंगेली और स्वागत गीत लोकेश कुमार साहू प्रतापपुर ने प्रस्तुत किये। मंच संचालन का कार्य अनिल जायसवाल बिलासपुर ने किये। काव्य गोष्ठी के मुख्य अतिथि मीर अली मीर जी रायपुर थे। इन्होंने कवियों को एकांत चिंतन, विचार सूत्र, कविता में संस्कार एवं संस्कृति और अंतर्मन की अनुभूति से साहित्य सृजन करने की प्रेरणा दी। विशिष्ट अतिथि नंदिता माजी शर्मा मुंबई महाराष्ट्र और मुस्कान केशरी मुजफ्फरपुर बिहार थी। यह काव्य गोष्ठी इकाई के जिलाध्यक्ष अशोक कुमार यादव के अध्यक्षता में आयोजित की गई। आमंत्रित स्वर कवि एवं कवयित्रियाँ- संजय कुमार श्रीवास्तव लखीमपुर खीरी उत्तरप्रदेश, सुरेश बन्छोर तालपुरी पाटन भिलाई, रामा साहू संयम मुंगेली, बलराम यादव देवरा मध्यप्रदेश, संध्या राव गौरेला पेंड्रारोड, ओ.पी.कौशिक रतनपुरिहा पेंड्रा, देवप्रसाद पात्रे मुंगेली, परवीन बेबी दिवाकर मुंगेली, मुकेश कुमार सोनकर भाठागाँव रायपुर, सागर केशरवानी घुठेरा नवागाँव मुंगेली, कृष्ण कुमार तिवारी सारधा लोरमी, जितेंद्र कुमार वैष्णव सारधा लोरमी, अनिल जांगड़े सरगांव, बुद्ध सिंह बैगा झरिया लोरमी, राजसिंह बैगा टिंगीपुर लोरमी, रविकांत वर्मा बिलासपुर, कुश कुमार साहू मोपर भाटापारा, पुहुप राम पुष्पराज निषाद मोपर बलौदाबाजार और रतन किर्तनिया रविंद्रनगर कांकेर सहित सभी साहित्यकारों ने नव वर्ष, छत्तीसगढ़ की महिमा, विनम्रता, देश भक्ति, प्रेम, प्रेरणा, संघर्ष, युग पुरुष, भक्ति, संगत के गुण, किसान, सभ्यता, संस्कृति और बचपन की यादें शीर्षक के तहत काव्य पाठ किये। सभी साहित्यकारों को सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया गया।

आदिनाथ मित्र मंडल और सन्मति ग्रुप ने श्रमण संस्कृति संस्थान के छात्रों को भोजन कराया

जयपुर. शाबाश इंडिया। आदिनाथ मित्र मंडल एवम दिगंबर जैन सोशल ग्रुप सन्मति द्वारा श्रमण संस्कृति संस्थान सांगानेर के छात्रों को प्रातः का भोजन कराया। आदिनाथ मित्र मंडल के अध्यक्ष सुनील जैन एवम मंत्री राजेंद्र बाकलीवाल ने बताया कि संस्थान में रह रहे लगभग 200 बच्चो को धर्म के साथ साथ लौकिक शिक्षा भी दिलाई जाती है । उनका समस्त व्यय पढ़ाई, रहना , खाना आदि बिल्कुल निशुल्क होता अर्थात संस्थान द्वारा ये समस्त व्यय किए जाते हैं जो दानदाताओं के सहयोग से ही किए जाते है।इस अवसर पर सुरेश कासलीवाल, राकेश गोदीका अशोक सेठी, सुनील जैन लोहेवाले, धनेश सेठी, विमल जैन, मुकेश जैन राजेंद्र बाकलीवाल, राजेंद्र बोरखंडी, अशोक सोगानी, टीकम जैन, सुनीता जैन, निधि जैन, भूमिका जैन, अहाना जैन आदि उपस्थित रहे।

दुर्घटना में घायल का हुआ सफल आपरेशन

जयपुर। जाते हुए साल के अंतिम दिनों में गंभीर रूप से दुर्घटना में घायल हुई एक ही परिवार की तीन बेटियो का जयपुर स्थित श्री रामकृष्णा हॉस्पिटल में हुआ सफल ऑपरेशन। बच्चियों के चाचा धरम सिंह बैरवा निवासी अजीतपुर जिला गंगापुर ने बताया की तीनो बच्चियों को गलत दिशा से आरहे देसी जुगाड़ ने सामने से टक्कर मारी, जिसके कारण तीनो बच्चियों के उल्टे पैरो में फ्रेक्चर के साथ साथ सिर और सिने में भी गंभीर चोटे आयी, गंभीर स्थिति में जब बच्चियों को हॉस्पिटल पहुँचाया गया तो चिकित्सकों ने जयपुर ले जाने की सलाह दी। धर्म सिंह के जयपुर स्थित परिचित ने तीनो बच्चियों को जयपुर, लाल कोठी स्थित श्री रामकृष्णा हॉस्पिटल में ले जाने की सलाह दी। परिचित की सलाह पर जब तीनो बच्चियों को लेकर परिजन श्री रामाकृष्णा हॉस्पिटल पहुँचे तो हॉस्पिटल पहुँचते ही हॉस्पिटल के हड्डी एवं जोड़ रोग विषेशज्ञ डॉ. विकास गुप्ता ने तुरंत ही तीनो बच्चियों के टिबिया का सफल ऑपरेशन किया साथ ही फिजिशियन डॉ. यादवेंद्र गुप्ता और निदेशक डॉ. राकेश शर्मा के सानिध्य में सभी गंभीर चोटों का ईलाज किया गया ।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर **'शाबाश इंडिया'** आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

लोकोदय तीर्थक्षेत्र पर हुआ 24 समवशरण श्री कल्पद्रुम महामन्डल विधान का आज तीसरा दिन

आगरा. शाबाश इंडिया

आगरा-मथुरा नेशनल हाइवे स्थित अंतरराष्ट्रीय लोकोदय तीर्थक्षेत्र में इन दिनों 24 समवशरण श्री कल्पद्रुम महामण्डल विधान का आयोजन हो रहा है ।निर्यापक मुनिपुंगव श्री सुधा सागर जी महाराज ससंघ के मंगल सानिध्य में विधान के अंतर्गत विभिन्न मांगलिक गतिविधियां आयोजित हो रही हैं। जिसका आनंद समस्त आगरा सकल जैन समाज के लोग बड़ी संख्या में उठा रहे हैं। जहां विधान के तीसरे दिन 03 जनवरी को सभी इन्द्र- इन्द्रणियों ने भव्य 24 समवशरण के समक्ष बाल ब्रह्मचारी प्रदीप भैय्या सुयश जी के कुशल निर्देशन में मंत्रोच्चारण के साथ श्रीजी के समक्ष अर्घ्य अर्पित कर विधान की क्रियाएं सम्पन्न कीं। इस दौरान अंतरराष्ट्रीय लोकोदय तीर्थक्षेत्र की भूमि पर गुरूभक्तों को मुनिपुंगवश्री सुधासागर जी महाराज ने मंगल देशना संबोधित करते हुए कहा कि जब भी कंही तुम्हे चलना हो सबसे पहले पूछो मेरे पहले इस रास्ते से कौन गया है और जो तुम्हारे पहले इस रास्ते से गया हो उसका पूरा इतिहास पता करो, वो कौन था, कैसा था और आज उसकी हालत क्या है, उसकी जानकारी के लिए ही प्रथमानुयोग की रचना की गई। गृहस्थ को खासतौर पर से प्रथमानुयोग का ज्ञान होना चाहिए, पहले हर मन्दिरो में प्रथमानुयोग की वाचना होती थी। तुम यदि जिंदगी में जीना चाहते हो तो पहले तुम बीच मे खड़े हो जाओ, बहुत सुरक्षित रहोगे। पहले पीछे देखो, तुम्हारे पीछे कोई है क्या तुमसे पुण्यहीन, भाग्यहीन कितने लोग है जो तुमसे हर तरफ से कमजोर है, उनको खुश करो क्योंकि छोटा व्यक्ति कभी आगे नही चलता, पीछे चलता है और वो बिगड़ जाए तो पीछे से वार करता है। आगे के वार से हम बच जाएंगे लेकिन पृष्ठघाती वार इतना अचूक होता है कि वो जन्म जन्मांतर तक वार करता रहता है। इसलिए जिनवाणी कहती है तुम हे श्रमण ! तुम भगवान के लिए झुको या न झुको लेकिन एक चींटी के लिए जरूर झुक जाना। क्योंकि भगवान नाराज होते नही, लेकिन चींटी नाराज हो गयी तो जन्म जन्म बिगाड़ देगी इसलिए अपनी जिंदगी का जो भी समय है उनको कुछ अंश दो, जिनके पास नही है। यदि सामने कुत्ता बैठा है तो कुत्ते को खिलाये बिना तुम नही खाना, नही तो वह बैठा बैठा बहुआये देता रहता है। नीति बनाई गई अपने पुण्य का भाग पुण्यहीनो को दो। आप रोटी खाये, आप धन कमाये, आप जो कुछ भी करते है उसका एक भाग पुण्यहीन को करे। आप कमाते है, तिजोरी में रखने के पहले दुकान बंद करके जाये, कुछ न कुछ किसी गरीब को देकर के ही घर मे जावे, भली दो रुपया, पाँच रुपया दो लेकिन पुण्यहीन को अपनी कमाई का एक भाग जरूर देना। आप डॉ. से परामर्श करके कहिए कि डॉ. साहब सालभर में एक हजार पांच हजार एक लाख जितनी शक्ति हो, इतने रुपये एक मरीज यदि गरीब कोई आये, उसके पास दवाई के पैसे यदि नही है तो एक मरीज मेरे नाम से लिख देना, उसको दवाई दे दे, बिल मेरे पास भेज देना, एक, दो मरीज जो तुम्हारी शक्ति हो। जब तुम कपड़े खरीदो, साल भर में एक जोड़ी कपड़े उसके लिए भी खरीदना जो वस्त्र भी खरीदने की ताकत नही रखता है किसी गरीब बच्चे या महिला-पुरूष को, एक कंबल जरूर हर सर्दी में किसी ठिठुरने वाले को जरूर देना, जो शक्ति हो, ये तुम्हारी सुरक्षा बता रहा हूँ। आप शादी करते है किसी एक गरीब की सहयोग के रूप में शादी करा देना। अपने बच्चों के स्कूल में जाओ तो मास्टर से कहना मास्टर साहब ! एक बच्चा जरूर होशियार हो, वो फीस नही दे पा रहा हो तो एक बच्चे की फीस मेरे तरफ से जमा करा देना। दूसरी सुरक्षा करना तुमसे जो अधिक पुण्यवान है, तुमसे जो आगे है। यदि तुम समर्थ बनना चाहते हो तो अपने से आगे कौन है, उसको जरूर अपने जीवन का अंश भेंट देना है। जिंदगी में एक बार उनको बचाना जो मरने से डरते नही है, ऐसे महापुरुष को बचाने के लिए जो मर जाते है वे या तो देव बन जाते है या भगवान बन जाते है क्योंकि वे पुण्यवान है। एक वो पुण्यहीन था जो भूख से डरता था उसको तुमने रोटी दे दी, एक उसको देना है भोजन, जो भूख से नही डरता है, अंतराय हो जाये तो आनंद आता है उसको जिंदगी में कभी भूखे मत रहने देना। अपना मकान बनवाने के पहले एक वह है जिसको फुटपाथ पर भी छाया नही है उसको जरूर छाया दे देना। दूसरा जिसने अपनी हवेली तक को छोड़ दिया, जो धन को मिट्टी के समान समझता है वो है तुम्हारे भगवान और गुरु उनके लिए मन्दिर और सन्तशाला या एक कमरा जरूर बनवा देना।इसके बाद शाम 5:30 से 6:30 तक मुनिश्री का विख्यात कार्यक्रम जिज्ञासा समाधान आयोजित किया गयोजिसमे भक्तों ने अपनी जिज्ञासा का गुरुवर से समाधान कियो इस विधान का संचालन मनोज जैन बाकलीवल ने कियो इस अवसर पर,प्रदीप जैन मनोज जैन बाकलीवाल नीरज जैन जिनवाणी,निर्मल मोठ्या,प्रदीप जैन शास्त्री भैया जी,पन्नालाल बैनाड़ा, हीरालाल बैनाड़ा,राजेश बैनाड़ा विवेक बैनाड़ा,राजेश सेठी,अमित जैन बॉबी, राजेश जैन,पंकज जैन,अनिल जैन शास्त्री,मीडिया प्रभारी शुभम जैन, राहुल जैन,दिलीप जैन उत्तमचंद जैन,पंकज जैन,यतीन्द्र जैन,पंकज जैन,शैलेंद्र जैन समस्त आगरा जैन समाज के लोग बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

-रिपोर्ट शुभम जैन

चिंतामणी पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर में 64 रिद्धि मण्डल विधान आयोजित

जयपुर. शाबाश इंडिया। पोष कृष्ण सप्तमी दिनांक 03.01.24 को प्रथम अभिषेक, शान्ति धारा का सौभाग्य समाज श्रेष्ठी शान्ति देवी, धर्मेन्द्र -मीना गोदीका परिवार को प्राप्त हुआ। मंदिर समिति के अध्यक्ष पवन गोदीका ने बताया कि समिति के उपाध्यक्ष धर्मेन्द्र गोदीका के आदरणीय परम पूज्य पिताजी स्वर्गीय राजेन्द्र कुमार गोदीका की प्रथम पुण्य तिथि पर प्रातः 11.30 से बजे, मुहाना मंडी पारस विहार के चिंतामणी पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर, पर आयोजित 64 रिद्धि विधान पूजन में गोदीका परिवार के एवं पारस विहार के साधर्मी बन्धुओं की सहभागिता के साथ सा आनंद विधान मंडल पुजा सम्पन्न की। तत्पश्चात्त सामुहिक वात्सल्य भोजन साधर्मी बन्धुओं के साथ सम्पन्न हुआ।

डॉ प्रमिला जैन अनुभव लेखन प्रतियोगिता में अव्वल

उदयपुर. शाबाश इंडिया। विश्व में जैन धर्मावलंबियों की सबसे बड़ी संस्था जैन सोशल ग्रुप्स इंटरनेशनल फेडरेशन द्वारा अनुभव लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस हेतु 31 दिसंबर 2023 तक प्रविष्टियां आमंत्रित की गई थी। इस प्रतियोगिता में कुल 10 रीजन में से 102 प्रतिभागियों ने भाग लिया। मेवाड़ रीजन से संगिनी मैन, उदयपुर की अध्यक्ष डॉ प्रमिला जैन ने इस प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

श्रीमद भागवत ज्ञानयज्ञ का भव्य आगाज

जीव को वैष्णवता और भगवत्ता की शिक्षा देकर इनका पात्र भी बनाती है भागवत: मृदुल कृष्ण

जयपुर. शाबाश इंडिया

भागवत मिशन परिवार के बैनर तले गिर्राज संघ परिवार विश्व कर्मा,जयपुर का परिवार का 25वें वार्षिकोत्सव पर 108 विषाल श्रीमद भभागवत ज्ञानयज्ञ का शुभारंभ बुधवार 108 महिलाओं की निकली वाली कलषयात्रा से हुआ। इस दौरान आसपास का क्षेत्र भभक्ति और आस्था के रंग में डूब गया। इस मौके पर मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा व उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी भी भागवत कथा में पहुंची और महाराज श्री से आशीर्वाद लिया; गिर्राज संघ परिवार के अध्यक्ष मदन सोमानी ने बताया कि भागवत कथा के शुभारंभ पर 108 महिलओं की कलषयात्रा बुधवार को विद्याधर नगर सेक्टर-7 स्थित षिव मंदिर से शुरू हुई। बैंडबाजों के साथ निकलने वाली इस कलषयात्रा में जां 108 महिलाएं सिर पर मांगलिक कलष तो 108 यजमान सिर पर भागवत पोथी व विद्वान मंत्र का जाप करते हुए और ठाकुर कान्हा के जयकारे लगाते हुए चल रहे थे।जिन मार्गों ये यह कलष यात्रा गुजरी,वे सभी मार्ग भक्ति और आस्था के रंग में डूबे जनर आए। मार्ग में जगह-जगह इस कलष शोभायात्रा का स्वागत किया किया।कलषयात्रा विभिभन्न मार्गों से होती हुई कथा स्थल पहुंची,जां कथा के प्रारंभ में पीठाधीष्वर सिद्धपीठ धाम मेहंदीपुर बालाजी धाम के महंत डॉ.नरेषपुरी महाराज ख्यातिप्राप्त कथावाचक मृदुल कृष्ण गोस्वामी ने दीप प्रज्जवलित कर किया। इस अवसर पर भागवत मूल पाठ के प्रत्येक जजमान जोड़े से प्रतिदिन भागवत पोती की विद्वान की ठाकुर जी के चित्र की सभी देवी देवताओं की पूजा की। इस मौके पर ख्यातिप्राप्त कथावाचक मृदुल कृष्ण गोस्वामी श्रीगणेष आदि पूजन व श्रीमद भ भागवत के महात्मय की कथा सुनाते हुए कहा कि श्रीमद भागवत कथा मानव को मानवता ही नहीं बल्कि मानवता के साथ - साथ वैष्णवता और भभगवत्ता की शिक्षा देकर इनका पात्र भी बनाती है जीव को।महापुराण का प्रारभभ करते हुए उन्होंने बताया कि माहात्य के प्रारम्भ में ही श्री सूत महाराज ने श्री शुकदेव जी की वन्दना करते हुए लिखा है कि श्री शुकदेव जी ने जन्म लेते ही घर से वन की राह पकड़ ली और वन में जाकर भगवान की आराधना में लीन हो गए, ऐसी आराधना भगवान की किया की भागवत और भगवान दोनों प्राप्त हो गए। उन्होंने आगे कहा कि कथा क्रम में 88 हजार शौनकादि ऋषियों ने सूत जी से यही प्रार्थना किया कि आप हमें ऐसी कथा सुनाओं कि मानव के हृदय के अन्धकार को दूर करने में वह करोड़ों सूर्य के समान हो तो सूत जी ने कहा कि इतनों करोड़ों सूर्य के प्रकाश की आवश्यकता क्यों,शौनकादि ऋषियों ने कहा कि हे सूत जी महाराज मानव के हृदय में इतना अन्धकार है कि दुनिया में कहीं भी नहीं है।इस अन्धकार को दूर करने के लिये प्रकाश की आवश्यकता है कि जिसका तेज करोड़ों सूर्य के समान हो, तो सूत जी ने कहा कि हे शौनकादि ऋषि आपका प्रश्न संसार के कल्याण के लिये है।ऋषियों आपको ऐसी कथा सुनाऊंगा जिससे कि संसार से निवृत्ति और परमात्मा में प्रवृत्ति होगी, और परमात्मा में प्रवृत्ति ही मानव जीवन का लक्ष्य है।मंत्री गिरीष अग्रवाल ने बताया कि महोत्सव के तहत गुरुवार को नारद व्यास संवाद,पांडव चरित्र व शुकदेव आगमन,5 को कपिल देवहुति संवाद व ध्रुव चरित्र की कथा सुनाएंगे। उन्होंने बताया कि महोत्सव के तहत 6 प्रहलाद चरित्र व वामनअवतार की कथा के बाद भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव नंदोत्सव के रूप में मनाया जाएगा। महोत्सव के तहत 7 को श्रीकृष्ण बाल लीला,माखन चोरी लीला के बाद गिरिराज पूजन होगी। उन्होंने बताया कि महोत्सव के तहत 8को महारास,मथुरा गमन व रूकमणि की कथा व अंतिम दिन 9 को सुदामा चरित्र नवयोगेष्वर संवाद व परीक्षित मोक्ष की कथा के बाद फूलों की होली खेली जाएगी।

युवा परिषद् हेरीटेज संभाग ने सादगी से मनाया 47वां स्थापना दिवस

जयपुर. शाबाश इंडिया। अखिल भारतवर्षीय दिगंबर जैन युवा परिषद् के 47वे स्थापना दिवस महोत्सव एवं नववर्ष 2024 के पावन शुभ अवसर पर युवा परिषद् हेरीटेज संभाग गुलाबी नगरी द्वारा पुराना घाट घाट के बालाजी जग्गा की बाबडी रोड स्थित सार्थक मानव कुष्ठ रोगी आश्रम में सभी कुष्ठ रोगियों को कार्यक्रम संयोजक रमेश सुनीता गंगवाल,मेहुल सुनीता बड़जात्या के नेतृत्व में मानवता सेवा की उत्तम भावना के साथ सभी कुष्ठ रोगियों को भोजन कराया गया। इसके पश्चात जीव दया सेवा हेतु गौ सेवा का कार्यक्रम रखा गया । संभाग अध्यक्ष रूपेन्द्र जैन, मंत्री नरेश छाबड़ा ने अवगत कराया 1 जनवरी को युवा परिषद् का स्थापना दिवस मानवता एवं जीव दया सेवा कार्यक्रम के साथ हर साल की सादगी सौंदर्यपूर्ण के साथ मनाया जाता है । कार्यक्रम के पश्चात सभी सदस्यों ने दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र जग्गा की बाबडी के दर्शन कर श्री जी आरती की ।इस अवसर पर प्रदेश महामंत्री विमल बज, प्रदेश मंत्री विनोद पापडीवाल, हेरीटेज संभाग के वरिष्ठ सलाहकार अजीत इंदू सौगानी, प्रचार मंत्री अक्षय बिलाला, कार्यकारिणी सदस्य सन्तोष छाबड़ा, अनीता सौगानी, शकुंतला बिलाला आदि उपस्थित रहे।